दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 06 अप्रैल 2020 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 186

महत्वपूर्ण एवं खास

कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 181 हुई, 11 की मौत

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में कोरोनावायरस पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। राज्य में अब संक्रमित लोगों की संख्या 181 हो गई है, जबकि इससे 11 लोगों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य में कोरोना के 181 मरीज हो गए हैं। इंदौर में 128, भोपाल में 17, जबलपुर में आठ, उज्जैन में सात, मुरैना में 12, खरगोन में तीन, ग्वालियर, शिवपुरी व छिंदवाड़ा में दो-दो मरीजों के नमूने पॉजिटिव पाए गए हैं। वहीं अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें इंदौर में सात, उज्जैन में दो और खरगोन व छिंदवाड़ा में एक-एक मरीज की मौत हुई। राजधानी में कई अधिकारियों के भी कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव (आईएएस) पल्लवी जैन गोविल, स्वास्थ्य विभाग की अधिकारी वीणा सिन्हा और एक अन्य कर्मचारी वीरेंद्र कुमार चौधरी के अलावा आलू-प्याज व्यापारी करोंद मंडी अब्दुल गफार, के अतिरिक्त जमातियों में नसीम अहमद, हामदी, अब्दुल्लाह और मो अरशाद कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इस प्रकार अब तक भोपाल शहर में कुल 17 कोरोना संक्रमित लोग हो गए हैं। ज्ञात हो कि इससे पहले एक और आईएएस को संक्रमण हो चुका है। वे अस्पताल में है, उनका उपचार हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दावा किया है कि उनकी तबियत में सुधार हो रहा है और एक दो दिन में अस्पताल से छुटटी मिल जाएगी। राजधानी के दो मरीजों की अस्पताल से छुटटी हो गई है। इनमेंएक पत्रकार और उसकी बेटी शामिल थे।

कोविड-19 महामारी के हालात पर मोदी ने स्पेन के प्रधानमंत्री से की चर्चा

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस महामारी से पैदा हालात पर शनिवार को स्पेन के अपने समकक्ष पेड्रो सांचेज पेरेज कास्टेजोन से बातचीत की और दोनों नेता वैश्विक महामारी से निपटने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर सहमत हुए। टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान मोदी ने स्पेन में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की और स्पेन के प्रधानमंत्री को आश्वस्त किया कि भारत अपनी क्षमता के मुताबिक मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहेगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, दोनों नेता वैश्विक स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर सहमत हुए। स्पेन के प्रधानमंत्री ने मोदी की इस राय से सहमति जताते हुए कि कोरोना वायरस के बाद के दौर के लिए वैश्वीकरण की एक नयी मानव केंद्रित विचारधारा को परिभाषित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण पैदा स्थिति और इससे पैदा हुई जरूरतों के लिए दोनों देशों के अधिकारी एक-दूसरे के संपर्क में बने रहेंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोविड-19 पर शनिवार को गहन चर्चा की। दोनों नेताओं ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत-अमेरिका साझेदारी की पूरी ताकत का उपयोग करने का संकल्प लिया।

लॉकडाउन के कारण नहीं मनेगा भाजपा का स्थापना दिवस

» चार दशक के इतिहास में ऐसा पहला मौका

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सोमवार को स्थापना दिवस है, लेकिन पार्टी कोई कार्यक्रम आयोजन नहीं करेगी। ऐसा देश में कोरोना के कारण लागू लॉकडाउन की वजह से हो रहा है। पार्टी के पिछले चार दशक के इतिहास में यह पहला मौका है जब स्थापना दिवस पर सब कुछ सूना-सूना रहेगा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगर कोरोना का खतरा और लॉकडाउन न होता तो फिर पार्टी पूरे जोशोखरोश के साथ स्थापना दिवस मनाती। जिले से लेकर मंडल स्तर पर आयोजन होते। पार्टी ने स्थापना दिवस की जगह अब पूरा फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील पर किया है, जिसमें उन्होंने पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट के लिए दिया जलाने पर जोर दिया है।

कोरोना से जंग में हर मोर्चे पर खुद डटे हैं मोदी

» स्थानीय ही नहीं विदेश के स्तर पर भी लगातार रख रहे संवाद » तबलीगी जमात की करतूतों से फैले सांप्रदायिक वैमनस्य ने बढ़ाई परेशानी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना से उपजी चुनौतियों ने खासतौर से लॉकडाउन के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की दिनचर्या बदल दी है। चाहे घरेलू मोर्चा हो या विदेशी, पीएम हर मोर्चे पर व्यक्तिगत स्तर पर लगातार सक्रिय हैं।

देश-दुनिया में जहां भी इस चुनौती से पार पाने की संभावना है, उन सभी दरवाजों पर पीएम व्यक्तिगत रूप से दस्तक दे रहे हैं। इस बीच तबलीगी जमात के साथ एक वर्ग विशेष के रवैये से पैदा हुए सांप्रदायिक विद्वेष ने सरकार की चुनौती अलग से बढ़ा दी है। इस मोर्चे पर भी खुद पीएम व्यक्तिगत स्तर पर डटे हैं। सूत्रों के मुताबिक पीएम की दिनचर्या तड़के ही संवाद से शुरू होती है। यह सिलसिला देर रात तक रुक रुक कर लगातार चलता रहा है। वह वैज्ञानिकों, रिसर्च संस्थाओं के मुखिया और वरिष्ठ-विशेषज्ञ चिकित्सकों से वर्तमान हालात और दिन विशेष को उपजी चुनौतियों पर राय लेते हैं। इसी कड़ी में पीएम का विदेश से भी लगातार संपर्क बना हुआ है। हाल के दिनों में पीएम ने अमेरिकी-रूसी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप-व्लादिमीर पुतिन, इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू समेत एक दर्जन देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात की है। बातचीत का उद्येश्य यह जानने में है कि ये देश कैसे अपने

यहां उपजे हालात से निपट रहे हैं। साथ ही यह भी कि क्या इस महामारी से लडने के लिए क्या कोई नया तरीका अपनाया जा रहा है? ऐसे देशों से भारत को क्या मदद मिल सकती है?

प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक हालांकि इस दौरान पीएम के आसपास हर मामलों के विशेषज्ञों की टीम मौजूद है। मगर पीएम विशेष मामलों में व्यक्तिगत स्तर पर रुचि लेते हैं। इसके अलावा विभिन्न राज्यों की समस्याओं, कोरोना से निपटने की तैयारियों का भी पीएम व्यक्तिगत स्तर पर प्रतिदिन समीक्षा करते हैं। यही कारण है कि लॉकडाउन के बाद आराम करने के लिए उनके पास महज 4-5 घंटे ही होते हैं।

तबलीगी जमात की करतूतों ने बढ़ाई चुनौती

कई मोर्चे पर व्यक्तिगत स्तर पर डटे पीएम की चुनौती तबलीगी जमात से जुड़े लोगों के रवैये ने बढ़ा दी है। देश के कुछ हिस्सों में मेडिकल टीम पर हमला, नमाज पढने के सवाल पर पुलिस से टकराव जैसी घटनाओं से सरकार की चिंता बढ़ा दी है। गौरतलब है कि देश के कई हिस्सों से आइसोलेशन में रखे गए तबलीगी जमात से जुड़े लोगों की डाक्टरों, पुलिस और मेडिकल टीम के साथ दुर्व्यवहार की सूचना देश में आग की तरह फैली है। इससे फैले वैमनस्य के कारण देश के कई हिस्सों में सांप्रदायिक घटना घटने की संभावना पैदा हो गई है। यही कारण है कि इस स्थिति को टालने के लिए पीएम लगतार विभिन्न धर्मों के मुखियाओं के संपर्क में हैं। उन्हीं के निर्देश पर प्रतिदिन वीडियो कांफ्रेंसिंग से कार्यकर्ताओं से संपर्क साध रहे नड्डा सांप्रदायिक वैमनस्य नहीं फैलने देने का लगातार निर्देश दे रहे हैं।

लॉकडाउन के बाद की स्थिति पर माथापच्ची

पीएम और उनसे जुड़ी टीम फिलहाल 14 अप्रैल को खत्म हो रहे लॉकडाउन के बाद की स्थिति पर माथापच्ची कर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि लॉकडाउन की अवधि समाप्त होने के बाद सरकार कुछ कड़े शर्तों के साथ देश के कुछ हिस्सों को राहत देगी। महानगरों में लॉकडाउन के कड़े शर्तों से थोड़ी राहत के एवज में भावी तैयारियों पर भी मंथन का दौर जारी है। टीम फिलहाल उन क्षेत्रों की पहचान कर रही है।

दीप जलाकर कोरोना से लड़ने का संकल्प लें:नायडू

नईदिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने देशवासियों से रविवार रात 9 बजे दीप या मोमबत्तियां जलाकर कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए सामूहिक संकल्प प्रदर्शित करने का आग्रह किया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए कई ट्वीट्स में उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए सभी नागरिकों को चाहिए कि वे सोशल डिस्टेंसिंग, व्यक्तिगत स्वच्छता और अधिकारियों व स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा, प्रिय साथी नागरिकों हमें कोविड-19 (संक्रमण) का एक साथ मुकाबला करते हुए चुनौती से पीछे नहीं हटना चाहिए। आइए हम आशा की रोशनी, ज्ञान के प्रकाश और एक साथ काम करने की उज्जवल भावना का प्रसार करें और उदासी व शंकाओं को दूर करने का प्रयत्न करें। उपराष्ट्रपति ने कहा, हम महामारी के खिलाफ लड़ाई में आगे खड़े योद्धाओं

(मेडिकल कर्मचारियों) के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करें और उन्हें संदेश दें कि भारत के 130 करोड़ लोग कोविड-19 (महामारी) के कारण हुए अंधकार को दूर करने के लिए एक साथ हैं। उन्होंने आगे कहा, आइए कोविड-19 महामारी के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए दीप प्रज्जवलित करने के साथ ही, हम सभी के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करें।

» पुलिस ने शिकायत मिलने से इनकार

तबलीगी जमात के लोगों ने की नर्सिंग स्टाफ से अश्लील हरकत

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के संकट को बढ़ाने वाले तबलीगी जमात के लोगों का ड्रामा रुकने का नाम नहीं ले रहा। तबलीगी जमात के लोगों ने अब पूर्वी दिल्ली के ताहिरपुर स्थित राजीव गांधी सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल में भी इसकी पुनरावृत्ति हो गई। यहां कार्यरत दो महिला नर्सों ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार रात उनके साथ कुछ जमातियों ने छेड़छाड़ की। उन्होंने इस संबंध में उप चिकित्सा अधीक्षक को शिकायत दी है। शनिवार को इसकी सूचना पुलिस को भी दे दी गई, हालांकि पुलिस शिकायत मिलने की बात से इन्कार कर रही है। बता दें कि जमात के लोगों पर नर्सों के साथ अश्लील हरकत करने और डॉक्टरों पर थूकने को लेकर मामला दर्ज होने के बावजूद यह लोग नहीं सुधरे और शनिवार को भी देश के अलग-अलग राज्यों में अस्पताल कर्मियों को परेशान करने वाला रवैया जारी रहा। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक यहां कार्यरत दो नर्सिंग स्टाफ ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार की रात उनके साथ कुछ जमातियों ने छेड़छाड़ की। उन्हें अश्लील इशारे किए और अपशब्द कहे। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन को शिकायत दी गई है। अस्पताल प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि इस बाबत पुलिस को भी सूचना दी गई।

तिहाड़ जेल में कैदियों ने ही बना डाले 75 हजार मास्क व सैनिटाइजर

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना महामारी से महफूज सात तालों के भीतर कैद दिल्ली की जेलों के कैदी, बाहर मौजूद लोगों के बचाव के लिए युद्धस्तर पर जुटे हैं। ये कैदी एक महीने में अब तक करीब 75 हजार से ज्यादा मास्क जेल वालों के लिए बना चुके हैं।

इतना ही नहीं, जेल स्टाफ और यहां बंद कैदी अपनी जेल में बनाए गए सेनेटाइजर का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह पुष्टि करते हुए दिल्ली जेल महानिदेशक संदीप गोयल ने बताया कि तिहाड़, रोहिणी और मंडोली जेल में बने मास्क में से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, कड़कड़डूमा कोर्ट, नंदनगरी एसडीएम कार्यालय और महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य तमाम विभागों को भी करीब साढ़े आठ हजार मास्क मुहैया करा चुके हैं।

सेना ने और मार गिराए पांच आतंकी, एक जवान शहीद

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में बीते 24 घंटों में भारतीय सेना ने घाटी में 9 आतंकियों को मार गिराया है। 4 आतंकियों को सेना ने दक्षिणी कश्मीर के बतपुरा में मार गिराया तो वहीं 5 आतंकियों को एलओसी के पास केरन सेक्टर में ढेर किया।

आतंकियों के खिलाफ चले इस ऑपरेशन में भारतीय सेना का एक जवान शहीद हो गया जबकि दो जवान बुरी तरह जख्मी हो गए।

भारी बर्फबारी और खराब मौसम की वजह से घायलों को अस्पताल लाने में मुश्किलें हो रही है। सेना का ऑपरेशन जारी है।

दरअसल, शनिवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों ने हिजबुल मुजाहिदीन के चार आतंकवादियों को मार गिराया। बताया जा रहा है कि कुलगाम के गांव हरमंदद गुरी में हुई मुठभेड़ में भारतीय सेना के दो जवान भी घायल हो गए। पिछले 12 दिनों से आतंकवादियों का एक हिजबुल मुजाहिदीन समूह नागरिकों को मार रहा था। पुलिस हिजबुल मुजाहिदीन के चार आतंकियों को ट्रैक किया और शनिवार की सुबह एक ऑपरेशन चलाकर उन्हें मार गिराया गया। बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के सोपोर और हंदवारा इलाके से आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर गुरुवार रात को कुपवाड़ा जिला अंतर्गत हंदवारा इलाके के शालपोरा गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान लश्कर के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

राजधानी के 2 और डॉक्टर हुए कोरोना से संक्रमित

» अब तक 100 से ज्यादा मेडिकल स्टाफ हो चुके हैं चरंटाइन

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के दो और नर्सिंग ऑफिसर कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद हडकम्प मच गया । इससे पहले भी इसी अस्पताल के एक डॉक्टर समेत चार मेडिकल स्टाफ कोरोना पॉजिटिव संक्रमण से ग्रस्त मिले थे।

इससे पहले रविवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल के 108 स्टाफ को भी चारंटाइन किया जा चुका है। इन 108 लोगों में से सीनियर डॉक्टर, नर्स और मेडिकल स्टाफ शामिल हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण के डर से अस्पताल प्रशासन ने ये निर्णय लिया था। माना जा रहा है कि इन दो मरीजों के संपर्क में कुछ डॉक्टर और नर्स आए थे, फिर इनके संपर्क में अस्पताल के दूसरे कर्मी भी आए। आपको बताते जाए कि दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भी कुछ डॉक्टर कोरोना मरीजों के संपर्क में आए थे, इसके बाद उन्हें भी चारंटाइन

किया गया था। वहीं उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टर के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद प्रशासन की तरफ से एक नोटिस चस्पा किया गया था। इसमें कहा गया था कि जिन लोगों ने 12 से 20 मार्च तक इस मोहल्ला क्लीनिक में इलाज कराया है या फिर किसी को चेकअप के लिए लाए थे, ऐसे सभी लोग घर में ही सेल्फ चरेंटाइन हो जाएं।

किसानों को बालू हटाने व कुम्हारों को मिट्टी खोदने हेतु नहीं लेनी होगी पर्यावरण मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कुम्हारों को मिट्टी के बर्तन आदि बनाने के लिये मिट्टी के खनन और बारिश में आयी बाढ़ के कारण खेतों में जमा होने वाली बालू को हटाने के लिये किसानों को अब पर्यावरण नियमों के तहत मंजूरी लेने की बाध्यता को खत्म कर दिया गया है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने खनन और खनिज (विकास एवं विनियम) अधिनिययम 1957 में संशोधन कर इस तरह की अन्य गतिविधियों के लिये पर्यावरण मंजूरी लेने से अब छूट दे दी है। उल्लेखनीय है कि मौजूदा व्यवस्था में खनन संबंधी इस तरह की तमाम गतिविधियों के लिये पर्यावरण मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना अपेक्षित है।

मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कुम्हारों को मिट्टी के बर्तन आदि बनाने के लिये बिना मशीनों का इस्तेमाल किये हाथ से मिट्टी या बालू की उनकी प्रथाओं के अनुसार निकासी (मैनुअल खनन) के लिए भी अब पर्यावरण मंजूरी लेना जरूरी नहीं होगा। इस दायरे में मिट्टी के खपरैल (मिट्टी की टाइल) बनाने के लिये साधारण मिट्टी या बालू के गैर मशीनी खनन को भी शामिल किया गया है।

तीस हजार करोड़ पैकेज से 4.07 करोड़ गरीब महिलाओं की मदद

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस महामारी के कारण पैदा हुए हालातों के खिलाफ केंद्र सरकार ने अपना एक्शन शुरू कर दिया है। दरअसल लॉकडाउन के चलते कारोबार ठप्प पड़ चुके हैं, जिसका सबसे बुरा असर गरीब परिवारों पर देखने को मिल रहा है।

ऐसे में भारत सरकार की तरफ से 4.07 करोड़ गरीब महिलाओं के जनधन खातों में शुक्रवार तक 30 हजार करोड़ रुपये बतौर राहत पैकेज के रूप में भेजे गए हैं। वहीं उज्ज्वला

» देशभर के जनधन खाते में पहुंची पहली राहत किस्त

योजना के तहत एलपीजी कनेक्शन वाले आठ करोड़ गरीब परिवारों के लिंक खातों में केंद्र सरकार की तरफ से 5,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार ने 4.07 करोड़ गरीब महिलाओं के जनधन खाते में पहली किस्त के तौर पर 500-500 रुपये भेजे हैं। इस दौरान सरकार की तरफ से बैंकों को साफ कहा गया है कि इस योजना में आने वाला कोई भी व्यक्ति बच न जाए। सूत्रों का कहना है कि नौ अप्रैल तक यह राशि महिलाओं के जनधन खातों में पहुंच जाएगी। दरअसल भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामले को देखते हुए केंद्र सरकार ने देशभर में 21 दिनों का लॉकडाउन किया गया है। ऐसे में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की तरफ से 26 मार्च को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की घोषणा की गई थी।

इसमें सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) का ध्यान रखते हुए सरकार ने लभार्थियों के खाते के आखिरी अंक के आधार पर भुगतान सूची बनाई है। केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत आठ करोड़ गरीब परिवारों के लिंक खातों में 5000 करोड़ रुपये का फंड भेजा है। इसके तहत लॉकडाउन के दौरान गरीब परिवार तीन गैस सिलिंडरों को मुफ्त में खरीद सकेंगे।

बता दें कि इसके तहत उज्ज्वला उपभोक्ता के पास 14.2 किलोग्राम वजन के तीन सिलिंडर या 5 किलोग्राम वजन के आठ सिलिंडर खरीदने का विकल्प होगा। इसके अलावा अगर उज्ज्वला उपभोक्ता जून तक इन तीन सिलिंडरों को नहीं लेता है, तो वह मार्च 2021 तक कभी भी इन पैसों का इस्तेमाल सिलिंडर खरीदने के लिए कर सकता है।